Toppersnotes®
Unleash the topper in you

DSSSB

Special Educator (Primary)

Delhi Subordinate Services Selection Board (DSSSB)

Volume - 3

Hindi & English Language

SIERRA INNOVATIONS

INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्णमाला	1
2	संज्ञा	5
3	सर्वनाम	7
4	क्रिया	9
5	विशेषण	12
6	संधि	15
7	समास	27
8	उपसर्ग	37
9	प्रत्यय	41
10	वाक्य एवं वाक्य प्रकार	46
11	वाक्य रचना	51
12	वर्तनी शुद्धि	55
13	वाक्य शुद्धि	60
14	तत्सम व तद्भव शब्द	64
15	विलोम शब्द	69
16	पर्यायवाची शब्द	75
17	मुहावरे	80
18	लोकोक्तियाँ	88
19	अपठित गद्यांश	95
20	Golden Rules of English Grammar	100
21	Articles	118
22	Important Synonyms and Antonyms	123
23	One Word Substitution	128

INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Idioms and Phrase	132
25	Reading Comprehension	137

1 CHAPTER वर्णमाला

- किसी भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसे छोटे भागों में और न तोड़ा जा सकता हों, ध्वनि कहलाती है, ध्वनि को वर्ण कहा जाता है। **वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला** कहा जाता है।
- हिंदी वर्णमाला में मूलत: कुल 44 वर्ण होते हैं जिन्हें 2 भागों में विभक्त गया है।

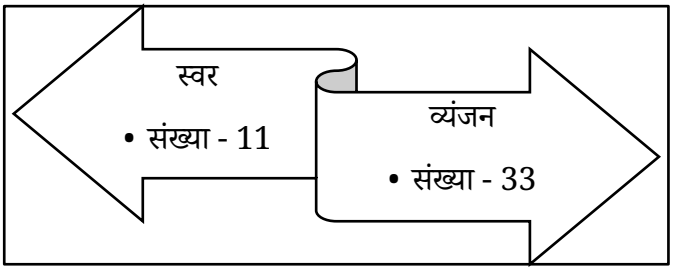

क्या आप जानते हैं?

वर्णों को लेकर विद्वान एकमत नहीं हैं। वर्णों की संख्या कहीं 52 तो कहीं 44 मानी गयी है। सरकारी वर्णमाला में ड़, ढ़, श्र को स्थान नहीं दिया गया है, अत: वहाँ कुल वर्णों की संख्या 53-3 = 49 ही मानी गयी है।
सर्वमान्य मत - 44 वर्ण हैं। (11 स्वर तथा 33 व्यंजन)

वर्णों का वर्गीकरण

- **श्वास वायु के आधार पर**
  - **(i) अनुनासिक** – अनुनासिक वर्णों की ध्वनि में श्वास वायु मुख के साथ नाक से बाहर निकलती है। अनुनासिक वर्णों में चन्द्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है। जैसे – अँ, इँ, प्रत्येक वर्ग का पाँचवां वर्ण।
  - **(ii) अल्प प्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय वायु का कम प्रवाह होता है, अल्प प्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का 1, 3 व 5 वाँ वर्ण।
  - **(iii) महाप्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु का प्रवाह होता है, महाप्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण।
- **स्वर तत्रों की स्थिति व कम्पन्न के आधार पर**
  - **(i) घोष/सघोष :-** घोष का शाब्दिक अर्थ है नाद या गूंज। जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वर तंत्र में कंपन (गूंज उत्पन्न होना) होता है, उन्हें घोष वर्ण कहते हैं।

    घोष वर्णों की पहचान - सभी वर्गों के अन्तिम तीन वर्ण घोष वर्ण कहलाते हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं। इनकी कुल संख्या तीस है।
  - **(ii) अघोष :-** जिन वर्णों के उच्चारण में प्राणवायु में कम्पन नहीं होता अतः कोई गूंज उत्पन्न नहीं होती वे वर्ण अघोष वर्ण कहलाते हैं।

    अघोष वर्णों की पहचान - सभी वर्गों के पहले और दूसरे वर्ण अघोष वर्ण होते हैं, इनकी संख्या तेरह है।

स्वर

- ऐसी ध्वनियाँ अथवा वर्ण जिनका उच्चारण करने में अन्य किसी ध्वनि की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें स्वर कहते हैं।
- स्वर स्वतंत्र एवं पूर्ण होते हैं। **स्वर 11 होते हैं** - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ।

- **इन्हें मूलत: 3 भागों में बांटा जा सकता है।**
  - **(i) ह्रस्व स्वर** - जिन स्वरों के उच्चारण में अपेक्षाकृत कम समय लगे उन्हें हस्व स्वर कहा जाता है। इन्हें मूल स्वर भी कहा जाता है। जैसे - अ, इ, उ।
  - **(ii) दीर्घ स्वर -** जिन स्वरों को बोलने में अधिक समय लगे उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। इन्हें मात्रा द्वारा भी दर्शाया जाता है। ये दो स्वरों को मिला कर बनते हैं अतः इन्हें संयुक्त स्वर भी कहा जाता है। जैसे – आ, ई, ऊ।
  - **(iii) प्लुत स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ सवा से भी अधिक समय लगता है वे प्लुत स्वर कहलाते हैं।

- **जिह्वा के आधार पर स्वर**
  - **(i) अग्र स्वर** –स्वर जिसमे जीभ का अग्र भाग प्रयोग में आता हैं । - इ, ई, ए, ऐ
  - **(ii) मध्य स्वर** – जिसमे जीभ का मध्य भाग प्रयोग में आता हैं। - अ
  - **(iii) पश्चस्वर** – जिसमे जीभ का पश्च भाग प्रयोग में आता हैं । - आ, उ, ऊ, ओ, औ

वर्ण	उच्चारण स्थान
अ, आ	कंठ
इ, ई	तालु
ऋ	मूर्धा
उ, ऊ	ओष्ठ
ए, ऐ	कंठ + तालव्य
ओ, औ	कंठ + ओष्ठ

महत्वपूर्ण तथ्य –

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्ठाध्यायी रचना में मिलता है।
- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है

  समानाक्षर स्वर
  - ✓ आ – अ + अ
  - ✓ ई – इ + इ
  - ✓ ऊ – उ + उ

  संधि स्वर
  - ✓ ए – अ + इ
  - ✓ ऐ – अ + ए
  - ✓ औ – अ + ओ
- अंग्रेज़ी से गृहित स्वर – ऑ (डॉक्टर, कॉलेज)

व्यंजन

- स्वरों की सहायता से बोली जाने वाली ध्वनियों को ही व्यंजन कहा जाता है।
- जब हम क बोलते हैं तब उसमें क् + अ मिला होता है। इसी प्रकार प्रत्येक व्यंजन स्वर की सहायता से ही बोला जाता है।
- व्यंजन अस्वतंत्र एवं अपूर्ण होते हैं।
- व्यंजन को **मूलतः 3 भागों** में बांटा जा सकता है।

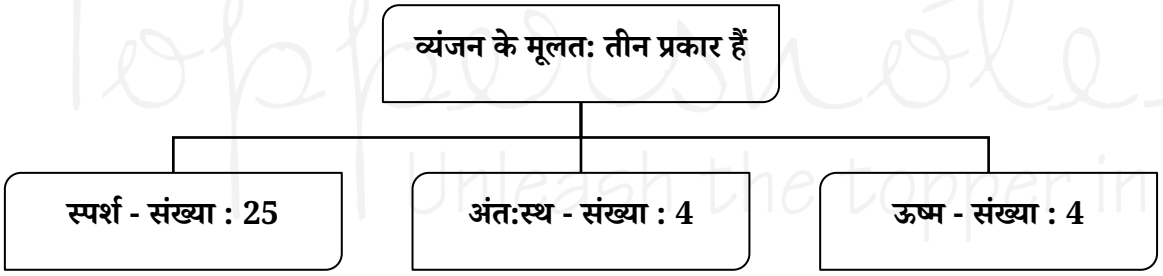

उच्चारण के आधार पर व्यंजनों को आठ भागों में बांटा गया है है:

1. **स्पर्शी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में फेफड़ों सद्वारा छोड़ी गयी वाली हवा वाग्यंत्र के किसी अवयव का स्पर्श करके बाहर निकलती है, स्पर्शी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे – क् ख् ग् घ्, ट्, ठ ड ढ़, त्, थ् ध, प् फ् ब् भ्
2. **संघर्षी :** ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में दो उच्चारण अवयव इतनी निकटता पर आ जाते हैं कि बीच का मार्ग छोटा हो जाता है तब वायु उनसे घर्षण/संघर्ष करती हुई बाहर निकलती है, संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - श, ष्, स्, ह, ख्, ज, फ्
3. **स्पर्श संघर्षी :** ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में स्पर्श का समय अपेक्षाकृत अधिक होता है और उच्चारण के बाद वाला भाग संघर्षी हो जाता है, वे स्पर्श संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - च्, छ, ज्, झ्।
4. **नासिक्य :** जिनके उच्चारण में हवा का प्रमुख अंश नाक से निकलता है। जैसे - ङ्, ञ, ण, न, म्।
5. **पार्श्विक :** जिनके उच्चारण में जिह्वा का अगला भाग मसूड़े को छूता है और वायु पार्श्व आस-पास से निकल जाती है, वे पार्श्विक हैं - जैसे - 'ल्'।

6. **प्रकम्पित :** ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में जिह्वा दो-तीन बार कंपन करती है, वे प्रकंपित व्यंजन कहलाते हैं। जैसे- 'र'

7. **उत्क्षिप्त :** जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा की नोक झटके से ऊपर उठकर नीचे गिरती है तो वह उत्क्षिप्त ध्वनि कहलाती है। जैसे - ड़, ढ़

8. **संघर्ष हीन :** जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी संघर्ष या अवरोध के बाहर निकलती है वे संघर्षहीन ध्वनियाँ कहलाती हैं। जैसे-य, व। इनके उच्चारण में स्वरों से मिलता जुलता प्रयत्न करना पड़ता है, इसलिए इन्हें अर्धस्वर भी कहते हैं।

वर्ग	**स्पर्श वर्ण**					**उच्चारण स्थान**
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ	कंठ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ	तालु
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण	मूर्धा
त वर्ग	त	थ	द	ध	न	दंत
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म	ओष्ठ
प्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	
	अघोष	अघोष	सघोष	सघोष	सघोष	घोष

व्यंजन प्रकार	**वर्ण**	**उच्चारण स्थान**
अंत:स्थ व्यंजन	य	तालु
	र	दंत
	ल	दंत
	व	दंत + ओष्ठ
ऊष्म व्यंजन	श	तालु
	ष	मूर्धा
	स	दंत
	ह	कंठ

संयुक्त व्यंजन

- हिन्दी में तीन संयुक्त व्यंजन होते हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बने होते हैं।

क्ष = क् + ष्
त्र = त् + र् + अ
ज्ञ = ज् + ञ् + अ
श्र = श् + र् + अ

अयोगवाह

- वे वर्ण जो न तो स्वर होते है और न ही व्यंजन होते है उन्हें अयोगवाह (अं अः) कहा जाता है।
- अं को अनुस्वार (नाक), अँ को अनुनासिक (नाक मुख) और अः को विसर्ग (कंठ) कहा जाता है ।

वर्णों का उच्चारण स्थान

क्र. सं.	**वर्ण**	**उच्चारण स्थान**	**उच्चारण ध्वनि**
1	क वर्ग, अ, आ और विसर्ग	कंठ कोमल तालु	कंठ्य
2	च वर्ग, इ, ई, य, श	तालु	तालव्य
3	ट वर्ग, ऋ, र, ष	मूर्द्धा	मूर्द्धन्य
4	त वर्ग, लृ, ल, स	दन्त	दन्त्य
5	प वर्ग, उ, ऊ,	ओष्ठ	ओष्ठ्य
6	अ, ङ, ञ, ण, न्, म्	नासिका	नासिक्य
7	ए ऐ	कंठ तालु	कंठ - तालव्य
8	ओ, औ	कंठ ओष्ठ	कंठोष्ठ्य
9	व	दन्त ओष्ठ	दन्तोष्ठ्य
10	ह	स्वर यन्त्र	अलिजिह्वा

महत्वपूर्ण तथ्य –

- हिंदी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिंदु) का प्रयोग किया जाता है जिन्हें आगत / गृहीत व्यंजन कहा जाता है।

- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है
  क़ – क़रीब
  ख़ – ख़राब
  ग़ – ग़म
  ज़ – ज़रा
  फ़ – फ़न (अंग्रेज़ी)
- नुक्ता / आगत व्यंजनों का आगमन अरबी/फ़ारसी, अंग्रेज़ी भाषा से हुआ है।
- नुक्ता व्यंजन की शुरुआत का श्रेय हिंदी विद्वान "विप्रसाद सितारे हिन्द" को जाता है।

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य

- हिंदी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अ: (विसर्ग) ध्वनियाँ हैं को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वर में जोड़ा जाता है न ही व्यंजन में
- अनुस्वार (अं) व विसर्ग (अ:) को अयोगवाह नाम देने का श्रेय किशोरी दास वाजपेयी को जाता है
- तालु उच्चारण स्थान पर आने वाले वर्णों को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागों में विभाजित किया गया है
- वर्त्स वर्णों में न, ल, स को शामिल किया गया है इनकी कुल संख्या 4 होती है
  1. जिह्वा
  2. अधरोष्ठ (नीचे का होठ)
  3. स्वर तंत्रियाँ
  4. कोमल तालु

- काकल वर्ण के अंतर्गत विसर्ग (:) को शामिल किया गया है
- **रकार / रेफ या र सम्बंधित नियम**
  - **(i) नियम 1:** यदि र के बाद व्यंजन आए तो र को उसी व्यंजन वर्ण के के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजनवर्ण के ऊपर लिखा जाता है
    जैसे – कर्म, धर्म, स्वर्ग, पुनर्जन्म आदि
  - **(ii) नियम 2:** यदि र से पहले व्यंजन वर्ण आये तो र को उसी व्यंजन वर्ण के मध्य में लिखा जाता है
    जैसे – प्रकाश, भ्रष्ट, प्रभात, प्रेम, क्रम आदि
- **उत्क्षिप्त वर्ण का नियम**
  - ✓ **नियम 1 :** यदि शब्द की शुरुआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है
    जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया आदि
  - ✓ **नियम 2:** यदि शब्द के अंतर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है
    जैसे – पण्डित, बुड्ढा, खण्ड, मण्डल आदि
    नोट – उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिंदु आती है जैसे – लड़ाई, सड़क,पकड़ना, पढ़ाई आदि

Toppersnotes Unleash the topper in you

2 CHAPTER संज्ञा

- वे विकारी शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव, अवस्था, गुण या दशा के नाम का बोध करते हों संज्ञा कहलाते हैं।
- संज्ञा शब्द दो शब्दों **सम्** + **ज्ञा** से मिलकर बना है अर्थात् वह प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) जिसका कोई नाम है वह संज्ञा है।

संज्ञा के प्रकार

- संज्ञा के मूलत: 3 भेद /प्रकार हैं। जो व्युत्पत्ति के आधार पर हैं। परन्तु दो अन्य भेद अर्थ के आधार पर भी माने गए है।

व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से किसी एक विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम का बोध हो, उन्हें**'व्यक्तिवाचक संज्ञा'** कहते हैं।
   उदाहरण : अभिषेक, जयपुर, रमा, रहीम , अरावली ,समुद्रगुप्त, गंगा, कामायनी, सुशील आदि।
2. **जातिवाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की सम्पूर्ण जाति, वर्ग अथवा समुदाय का बोध हो, उन्हें**'जातिवाचक संज्ञा'** कहते हैं। इसमे मुख्यत: समूहवाचक शब्द आते हैं ।
   उदाहरण : पुरुष, शहर, पशु, मुनष्य, सेना, पर्वत, सभा, गाय, डॉक्टर , नगर , बालक, लडकी, आदमी, दोस्त, पुस्तक , पहाड़ , लड़का, जुलाहा, मंत्री, बहन, लेखक आदि।
3. **भाववाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों सें प्राणियों और वस्तुओं के गुण-दोष, धर्म, अवस्था, भाव और व्यापार आदि का बोध हो, उन्हें **'भाववाचक संज्ञा'** कहते है।
   उदाहरण : अच्छाई, मिठास, गर्मी, बुढ़ापा, सुन्दरता, नारीत्व, चतुरता, बचपन, दाम, क्रोध, गर्व, दौड़, अनुशासन इत्यादि ।

भाववाचक संज्ञा का निर्माण

- भाववाचक संज्ञा का निर्माण 5 प्रकार से किया जा सकता है।

1. **जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा**
   (i) **'ता' प्रत्यय:** मानव-मानवता, मित्र-मित्रता, प्रभु-प्रभुता, पशु-पशुता।
   (ii) **त्व प्रत्यय :** पशु-पशुत्व, मनुष्य-मनुष्यत्व, कवि-कवित्व, गुरु-गुरुत्व।
   (iii) **पन :** लड़का-लड़कपन, बच्चा-बचपन ।
   (iv) **अ :** शिशु-शैशव, गुरु-गौरव, विभु-वैभव।
   (v) **इ :** भक्त-भक्ति ।
   (vi) **ई :** नौकर-नौकरी, चोर-चोरी।
   (vii) **आपा :** बूढ़ा-बुढ़ापा, बहन-बहनापा।
2. **सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा :**
   (i) **त्व : अपना -** अपनत्व, निज निजत्व, स्व-स्वत्व ।
   (ii) **पन : अपना -** अपनापन, पराया-परायापन ।
   (iii) **कार : अहं** - अहंकार।
   (iv) **स्व: सर्व -** सर्वस्व ।
3. **विशेषण से भाववाचक संज्ञा :**
   (i) **आई :** साफ-सफाई, अच्छा अच्छाई, बुरा-बुराई।
   (ii) **आस :** खट्टा-खटास, मीठा-मिठास ।
   (iii) **ता :** उदार-उदारता, वीर वीरता, सरल-सरलता ।
   (iv) **य :** मधुर -माधुर्य, सुन्दर-सौन्दर्य, स्वस्थ-स्वास्थ्
   (v) **पन :** खट्टा- खट्टापन, पीला-पीलापन।
   (vi) **त्व :** वीर -वीरत्व।
   (vii) **ई :** लाल लाली।

4. **क्रिया से भाव-वाचक संज्ञा :**
   (i) **अ:** खेलना-खेल, लूटना लूट, जीतना-जीत।
   (ii) **ई:** हँसना-हँसी।
   (iii) **आई:** चढ़ना चढ़ाई, पढ़ना-पढ़ाई, लिखना-लिखाई।
   (iv) **आवट:** आवट-बनाना-बनावट, थकना-थकावट, लिखना-लिखावट।
   (v) **आव :** चुनना-चुनाव।
   (vi) **आहट:** घबराना-घबराहट, गुनगुनाना-गुनगुनाहट ।
   (vii) **उडना** : उड़ान।
   (viii) **न** : लेना-देना लेन-देन, खाना-खान।
5. **अव्यय से भाववाचक संज्ञा**
   (i) **ई :** भीतर-भीतरी, ऊपर, ऊपरी दूर-दूरी।
   (ii) **य :** समीप सामीप्य ।
   (iii) **इक :** परस्पर -पारस्परिक, व्यवहार - व्यावहारिक ।
   (iv) **ता :** निकट निकटता, शीघ्र शीघ्रता।

अर्थ के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **समूहवाचक संज्ञा :** जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे – सभा, परिवार, कक्षा, दल, गिरोह, संघ, गुच्छा, पुंज, ढेर।
2. **द्रव्य वाचक संज्ञा:** जिन संज्ञा शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ या द्रव्य का बोध होता है जिसे हम नाप – तौल सकते हैं लेकिन गिन नहीं सकते उन्हें द्रव्य वाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – दूध, पानी, पेट्रोल, सोना, लोहा, कोयला, लकड़ी, कागज, चीनी, आटा, घास।

क्या आप जानते हैं?

- जब कभी द्रव्यमान संज्ञा शब्द बहुवचन के रूप में द्रव्य के प्रकारों का बोध कराता है।, तब वह जातिवाचक संज्ञा बन जाता है। जैसे - यह फर्नीचर कई प्रकार के लकड़ियों से बना है।
- जब समूहवाचक संज्ञा बहुत सी समूह ईकाइयों को प्रकट करता है, तब बहुवचन में प्रयुक्त होता है। जैसे दोनों सेनाएँ आपस में जमकर लड़ी।
- जब कभी भाववाचक संज्ञा शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते है, तब वे जातिवाचक संज्ञा बन जाते है। जैसे बुराईयों से बचकर रहो।
- कुछ भाववाचक शब्द मूल शब्द है। जैसे प्रेम, घृणा, क्रोध आदि।
- अधिकांश भाववाचक शब्द यौगिक होते है -गरीब-गरीबी। लड़का-लड़कपन
- भावचावक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय और क्रिया शब्दों के अंत में त्व, ता, वन, पा, आस, आई, वट, हट इत्यादि प्रत्यय लगाकर बनाई जाती है। जैसे मित्र-मित्रता, अपना-अपनत्व, लम्बा-लम्बाई आदि।

Toppersnotes Unleash the topper in you

3 CHAPTER सर्वनाम

- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- भाषा में सौन्दर्य, संक्षिप्तता, सरलता एवं पुनरुक्ति दोष से बचने व दूर करने के लिए संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम शब्द का प्रयोग किया जाता है।
- सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ है 'सब का नाम'। इससे वाक्य सहज एवं सरल हो जाता है।

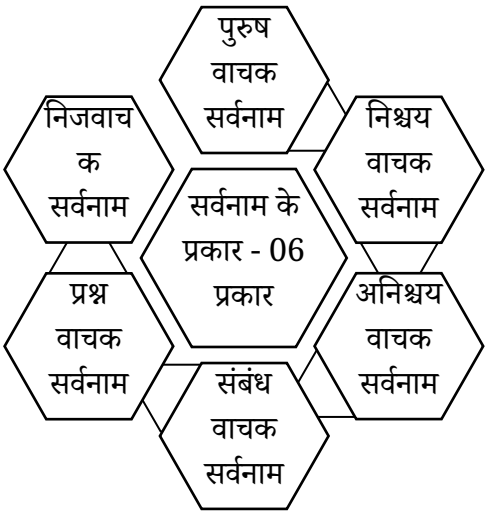

1. **पुरुष वाचक सर्वनाम** – जिन शब्दों का प्रयोग कहने वाले (वक्ता), सुनने वाले (श्रोता) व अन्य जिसके विषय में कहा जाए के स्थान पर किया जाता है, उन्हें पुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं।

   पुरुष वाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं :

पुरुष वाचक सर्वनाम		
उत्तम पुरुष	**मध्यम पुरुष**	**अन्य पुरुष**
वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला व्यक्ति स्वयं के लिए करता है।	वे सर्वनाम शब्द जो श्रोता को संबोधित करने में प्रयोग किये जाए ये सर्वनाम शब्द सुनने वाले के लिए प्रयुक्त किये जाते हैं।	बोलने व सुनने वाले व्यक्ति के द्वारा किसी अन्य के बारे में बात की जाए या कुछ लिखा जाए, उनके नाम के बदले में प्रयुक्त होनेवाले सर्वनाम अन्य पुरुष सर्वनाम कहलाते हैं।
मैं, हम, मुझे, मेरा, हमारा, हमें आदि।	तू, तुम, तुझे तुम्हें तेरा, आप, आपका, आपको आदि।	वह, वे, उन्हें, उसे, इसे, उसका इसका आदि।

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम** – जो सर्वनाम निकटस्थ अथवा दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चित संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   - ✓ इसके मुख्य दो प्रयोग हैं :
     - I. **निकट की वस्तुओं के लिए -** यह, ये।
     - II. **दूर की वस्तुओं के लिए** - वह, वे।
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** – जिस सर्वनाम से किसी ऐसे व्यक्ति या पदार्थ का बोध होता हो जिसके विषय में निश्चित सूचना नहीं मिलती तथा अनिश्चितता की स्थिति बनी रहती है, उसे अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं।

   जैसे - कुछ, कोई।
   - ✓ **'कोई'** सर्वनाम का प्रयोग प्रायः प्राणी वाचक सर्वनाम के लिए होता है, जैसे - कोई उसे बुला रहा है।
   - ✓ **'कुछ'** सर्वनाम का प्रयोग वस्तु के लिए होता है, जैसे - पानी में कुछ है, घी में कुछ मिला है।
4. **संबंधवाचक सर्वनाम** – दो उप वाक्यों के बीच में प्रयुक्त होकर एक उप वाक्य की संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे उप वाक्य के साथ दर्शाने वाला सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाता है, अर्थात् दो पृथक – पृथक बातों के मध्य सम्बन्ध व्यक्त करने वाले शब्दों को संबंधवाचक सर्वनाम कहा जाता है जैसे - जो, जिसे, जिसका, जिसको।

   उदाहरणार्थ – जो सोएगा, सो खोएगा।
   जिसकी लाठी उसकी भैंस।
   जो सत्य बोलता है, वह नहीं डरता।

5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम** – ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   जैसे- क्या, किससे, कौन।
   उदाहरणार्थ – वहाँ दरवाजे पर कौन खड़ा है?
   कल तुम किससे बात कर रहे थे?
   आज तुम्हें क्या चाहिए?
6. **निज वाचक सर्वनाम** – ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करते हैं, निज वाचक कहलाते हैं।
   जैसे - आप, अपना, स्वयं, खुद आदि।
   उदाहरणार्थ – मैं अपनी पुस्तक पढ़ रहा हूँ।
   आप अपने घर कब जा रहे हैं?
   मैं अपना खाना बना रहा हूँ।

सर्वनाम शब्दों के प्रयोग सम्बन्धी निर्देश

- सर्वनामों का रूप परिवर्तन पुरुष, वचन तथा कारक के अनुसार ही होता है, लिंग भेद के आधार पर नहीं।
- उत्तम पुरुष और मध्यम पुरुष बहुवचन रूप वाले सर्वनाम एक व्यक्ति के लिए भी प्रयोग किए जाते हैं, जैसे - मैं आऊँगा अर्थात् हम आएंगे। तू जाएगा अर्थात् तुम जाओगे।
- अन्य पुरुष वाचक बहुवचन रूप का आदर सूचक होने के कारण एक व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है, जैसे - गाँधी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वे कई साल दिल्ली में रहे। या आप कई साल दिल्ली में रहे।
- संज्ञा में विभक्ति उसके साथ नहीं जुड़ती, जबकि सर्वनामों में विभक्तियाँ उन्हीं के साथ जुड़ी रहती हैं, जैसे - उसने, उसको, जिसका, इत्यादि । जैसे –
  - ✓ संज्ञा - राधा ने
  - ✓ सर्वनाम - उसने
- अभिमान व्यक्त करने या अधिकार व्यक्त करने के लिए भी 'मैं' के स्थान पर 'हम' अथवा 'हमारा' का प्रयोग किया जाता है, जैसे-
  - ✓ 'हम' कभी भी किसी से हारे नहीं। (अभिमान)
  - ✓ हमारा यह काम तुम्हें जरूर करना है। (अधिकार)
- अनिश्चय वाचक सर्वनाम 'कुछ' (एकवचन) संख्या एवं परिणाम दोनों का बोध कराते हैं, जैसे-
  - ✓ आपके यहाँ लहसुन होता है, कुछ हमारे यहाँ भी भेज दिया कीजिए। (परिणाम वाचक)
  - ✓ आपके घर इतने अतिथि आए हैं, कुछ को हमारे यहाँ भेज दीजिए। (संख्यावाचक)
- प्रश्नवाचक सर्वनाम 'कौन' का प्रयोग मनुष्यों तथा क्या का प्रयोग कीट-पतंगों, पशुओं और जड़ पदार्थों के लिए होता है, जैसे - अन्दर कौन बैठा है? इस डिब्बे में क्या है?
- **'कुछ'** और **'कोई'** का बहुवचन रूप कुछ और किन्हीं होता है। निर्जीव वस्तुओं और कीड़े-मकोड़ों के लिए **'कुछ'** का प्रयोग होता है। सजीव वस्तुओं के लिए **'कोई'** और **'किन्हीं'** शब्दों का प्रयोग होता है।
- प्रायः सभी सर्वनाम रूपों के साथ 'ही' अव्यय जोड़ा जा सकता है।

सर्वनाम पदबंध

- जो पदबंध वाक्य में सर्वनाम पदों का कार्य करते है,उन्हे सर्वनाम पदबंध कहते है।

  जैसे -
  - ✓ **चोट खाए तुम** भला क्या खेलेगो।
  - ✓ **मेरे रिश्तेदार में से** कोई समय पर नहीं पहुँचा।

4 CHAPTER क्रिया

- वे शब्द या शब्द समूह जिनसे वाक्य में किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।
- संस्कृत में क्रिया रूप को धातु कहते है। बिना क्रिया या धातु के किसी वाक्य की पूर्णता संभव नहीं है।

  जैसे – उठना, चलना, पढना, सोना आदि।

क्रिया के भेद

क्रिया का वर्गीकरण कई आधारों पर किया जा सकता है जो इस प्रकार है –

कर्म के आधार पर

- क्रिया शब्द का फल किस पर पड़ रहा है, वह किसे प्रभावित कर रहा है आदि आधारों पर किया जाने वाला भेद इसके अंतर्गत आता है।
- इस आधार पर क्रिया के मुख्यतः दो भेद हैं-

1. **सकर्मक क्रिया** : जिस क्रिया का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है।
   - ✓ 'स' का प्रयोग 'सहित' के अर्थ में होता है, इसलिए सकर्मक का अर्थ हुआ - कर्म के साथ।
   - ✓ अतः इस क्रिया में कर्म की आवश्यकता होती है।

   जैसे –
   - ✓ बच्चा चित्र बना रहा है ।
   - ✓ गीता सितार बजा रही है।
   - ✓ मिठाई देखकर बच्चे ललचाते हैं।
   - ✓ बच्चा फल तोड़ रहा है ।

सकर्मक क्रिया

एक कर्मक

जिस वाक्य में क्रिया के साथ एक कर्म प्रयुक्त हो, उसे एक कर्मक क्रिया कहते हैं ।

- माँ पढ़ रही है।' यहाँ माँ के द्वारा एक ही कर्म (पढ़ना) हो रहा है।
- महर्षि वेदव्यास ने जयसंहिता लिखी।
- लड़का पुस्तक पढ़ता है।

द्विकर्मक क्रिया

जब वाक्य में क्रिया के साथ दो कर्म प्रयुक्त हुए हों तो उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं।

- अध्यापक जी छात्रों को भूगोल पढ़ा रहे हैं। इस वाक्य में 'पढ़ा रहे हैं' क्रिया के साथ 'छात्रों' एवम् 'भूगोल' दो कर्म प्रयुक्त हुए हैं। अतः 'पढ़ा रहे हैं' द्विकर्मक क्रिया है।
- सोहन ने मोहन को थप्पड़ मारा।

नोट: सकर्मक क्रिया के दो अन्य भेद इस प्रकार भी है –

1. **पूर्ण सकर्मक क्रिया** – जब किसी क्रिया को केवल एक कर्म की आवश्यकता हो व किसी पूरक शब्द की आवश्यकता न हो, वह कर्म सहित पूर्ण अर्थ देती हो, तो वह पूर्ण सकर्मक क्रिया कहलाती है।

   जैसे - उसने चिट्ठी लिखी।

2. **अपूर्ण सकर्मक क्रिया** – ऐसी क्रिया जिसे कर्म की आवश्यकता होती है, परंतु उसका अर्थ तब तक पूर्ण नहीं होता जब तक कि उसमें कोई पूरक शब्द न जोड़ा जाए, उसे अपूर्ण सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे - उसने उसे डाकघर भेजा।

2. **अकर्मक क्रिया :** वे क्रियाएँ जिनके साथ कर्म प्रयुक्त नहीं होता तथा क्रिया का प्रभाव वाक्य में प्रयुक्त कर्त्ता पर ही पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे –

- ✓ कुत्ता भौंकता है।
- ✓ कविता हँसती है।
- ✓ टीना सोती है।

अकर्मक क्रिया

अपूर्ण अकर्मक

ऐसी क्रिया जिसमें कर्ता के विषय में पूर्ण विधान के लिए किसी संज्ञा या सर्वनाम जैसे पूरक शब्दों की आवश्यकता होती है, अपूर्ण अकर्मक कहलाती है। यहाँ वाक्य में पूरा भाव अन्य शब्दों के सहारे व्यक्त होता है।

जैसे - वह कुर्सी पर बैठा है।

पूर्ण अकर्मक

जब कोई क्रिया अपने आप में पूर्ण अर्थ देती है और उसे किसी अन्य पूरक शब्दों की आवश्यकता नहीं होती तो उसे पूर्ण अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे - राम हँस रहा है।

अकर्मक क्रिया से सकर्मक क्रिया का निर्माण

- ➢ भाववाचक संज्ञा के रूप में अकर्मक क्रिया का प्रयोग करके सकर्मक क्रिया बनाई जा सकती है।
  जैसे - बढ़ना से-बढ़त, देवेन्द्र की आय में काफी बढ़त हो गई है।
- ➢ कुछ अकर्मक क्रियाओं के 'ट' को 'ड़' करने पर सकर्मक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे –

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
फटना	फाड़ना
छूटना	छोड़ना

- ➢ दो अक्षरों वाली अकर्मक धातु के पहले या दूसरे स्वर को तथा तीन अक्षर वाली धातु के दूसरे अथवा तीसरे स्वर को दीर्घ करने से अकर्मक क्रिया सकर्मक बन जाती है, जैसे -

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
पकड़ना	पकड़ाना
मिलना	मिलाना

- ➢ अकर्मक क्रिया के 'इ' को 'ए' और 'उ' को 'ओ' कर देने से सकर्मक क्रिया बनती है, जैसे –

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
तुलना	तोलना
खुलना	खोलना

प्रयोग तथा संरचना के आधार पर क्रिया के भेद:

- ➢ वाक्य में क्रियाओं का प्रयोग कहाँ किया जा रहा है, किस रूप में किया जा रहा है आदि आधारों पर क्रिया के निम्न भेद होते हैं-

1. **सामान्य क्रिया** – जब किसी वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग हुआ हो, उसे सामान्य क्रिया कहते हैं।
   जैसे - महेन्द्र जाता है। सन्तोष आई।
2. **संयुक्त क्रिया** – जो क्रिया दो या दो से अधिक भिन्नार्थक क्रियाओं के मेल से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।
   जैसे -
   - ✓ जया ने खाना बना लिया।
   - ✓ हेमराज ने खाना खा लिया।
   - ✓ घनश्याम रो चुका।
   - ✓ वह घर पहुँच गया।
3. **प्रेरणार्थक क्रिया** – वे क्रियाएँ, जिन्हें कर्त्ता स्वयं न करके दूसरों को क्रिया करने के लिए प्रेरित करता है, उन क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं
   जैसे -
   - ✓ दुष्यन्त हेमन्त से पत्र लिखवाता है।
   - ✓ कविता सविता से पत्र पढ़वाती है।
   - ✓ अध्यापिका छात्रों से गृहकार्य करवाती है।
   - ✓ शिक्षक ने छात्रों से पुस्तक पढ़वाई ।

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
कटना	काटना	कटवाना
सोना	सुलाना	सुलावना
उठ	उठाना	उठवाना

उड़	उड़ाना	उड़वाना
पढ़	पढ़ाना	पढ़वाना
सुन	सुनाना	सुनवाना
चल	चलाना	चलवाना
करना	कराना	करवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
जागना	जगाना	जगवाना

4. **पूर्व कालिक क्रिया**: जब किसी वाक्य में दो क्रियाएँ प्रयुक्त हुई हों तथा उनमें से एक क्रिया, दूसरी क्रिया से पहले सम्पन्न हुई हो तो पहले सम्पन्न होने वाली क्रिया पूर्व कालिक क्रिया कहलाती है। किसी मूल धातु के साथ 'कर' या 'करके' लगाने से पूर्व कालिक क्रिया बनती है।

जैसे-

- ✓ धर्मेन्द्र पढ़कर सो गया।
- ✓ राधा ने स्नान करके भोजन किया।
- ✓ वह लेटकर खाता है।
- ✓ भीम दुर्योधन की छाती पर चढ़ बैठा।
- ✓ पंडित जी हवन करा कर कथा कह रहे हैं।

5. **नाम धातु क्रिया** – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द जब क्रिया धातु की तरह प्रयुक्त होते हैं, उन्हें 'नाम धातु' क्रिया कहते हैं और इन नाम धातु शब्दों में जब प्रत्यय लगाकर क्रिया का निर्माण किया जाता है तब वे शब्द 'नाम धातु क्रिया' कहलाते हैं,

जैसे –

- ✓ नरेश ने सुरेश का कमरा हथिया लिया।
- ✓ उसने मेरी पूरी संपत्ति हथिया ली ।
- ✓ राम ने किसान की ज़मीन हथिया ली।

संज्ञा	नामधातु	सर्वनाम शब्द	नामधातु क्रिया	विशेषण शब्द	नामधातु क्रिया	अनुकरणवाची शब्द	नामधातु क्रिया
हाथ	हथिया	अपना	अपनाना	साठ	सठियाना	थप-थप	थपथपाना
शर्म	शर्माना			तोतला	तुतलाना	थर-थर	थरथराना
बात	बतियाना			नरम	नरमाना	कँप-कँप	कँपकँपाना
लोभ	लुभाना			गरम	गरमाना		

6. **कृदन्त क्रिया** – वे क्रिया पद जो क्रिया शब्दों के साथ प्रत्यय लगने पर बनते हैं, उन्हें कृदन्त क्रिया पद कहते हैं।
   जैसे - चल से चलना, चलता, चलकर। लिख से लिखना, लिखता, लिखकर ।
7. **सजातीय क्रिया** – वे क्रियाएँ, जहाँ कर्म तथा क्रिया दोनों एक ही धातु से बनकर साथ में प्रयुक्त होते हो,सजातीय क्रियाएँ कहलाती है।
   जैसे - भारत ने लड़ाई लड़ी।
8. **सहायक क्रिया** – किसी भी वाक्य में मूल क्रिया की सहायता करने वाले पद को सहायक क्रिया कहते हैं।
   जैसे - अरविन्द पढ़ता है। भानु ने अपनी पुस्तक मेज पर रख दी है।
9. **योजक क्रिया -** एक विशेष प्रकार की क्रिया है जो वाक्य में किसी संज्ञा या विशेषण को कर्ता से जोड़ती है ।
   जैसे - चूड़ी अच्छी थी।
10. **यौगिक क्रिया** - दो या दो से अधिक धातुओं के संयोग से यौगिक क्रिया बनती है।
    जैसे - चलना से चलाना , खाना से खिलाना , पढ़ना और राह से पढ़ता रहा , जा और गिरा से जा गिरा आदि ।

काल के आधार पर क्रिया के भेद:

काल के अनुसार क्रिया तीन प्रकार की होती है :-

1. **भूतकालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा बीते समय में (भूतकाल में) कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता है।
   जैसे - सरोज गयी। सलीम पुस्तक पढ़ रहा था।
2. **वर्तमान कालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा वर्तमान समय में कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता है। जैसे – विमला खाना बना रही है।
   जैसे - कमला गाना गाती है।
3. **भविष्यत् कालिक क्रिया** –क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा आने वाले समय में कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता हो, भविष्य कालिक क्रिया कहलाती है।
   जैसे – नीलम कल जोधपुर जायेगी। अशोक पत्र लिखेगा।

20 CHAPTER

Golden Rules of English Grammar

NOUN

Rule:1

- **Sometimes, *"The"* is used before a proper noun to use it like a common noun.**
  Example
  - ✓ Kalidas is **the Shakespeare** of India.
- **Sometimes, a proper noun is also used like a common noun. At that time, the proper noun represents a class or a person of that class.**
  Example
  - ✓ There are five **Ram** in my Class.
- **Proper, material, and abstract nouns are always singular, but when they are used in a plural sense, they become common nouns.**
  Example
  - ✓ **Simran** is the wife of Shivam. (Proper Noun)

Rule 2: Generally, a collective noun takes a singular verb. A plural verb is used only when each member of the group is referred to.

Example

- The **crowd** of the migrant workers at the station for the Shramik Special is unforgettable.
- A **pride** of lions consists of related females, cubs, and a small number of adult males.

Rule 3: Some nouns are always used in plural form. The 's' at the end cannot be removed to make them singular. They look plural and are used as plural.

- **Words :** Alms, amends, annals, archives, ashes, arrears, athletics, auspices, caves, species, scissors, trousers, pants, clippers, bellows, gallows, fangs, eyeglasses, goggles, belongings, breeches, bowels, braces, binoculars, customs, congratulations, dregs, earnings, entrails, embers, fetters, fireworks, lodgings, lees, odds, outskirts, particulars, proceeds, proceedings, regards, riches, remains, savings, shambles, shears, spectacles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, tongs, vegetables, valuables, wages, Bacteria etc.
  Example
  - ✓ My father gave me a pair of binoculars on my birthday.
  - ✓ Bacteria are single-celled organisms that can reproduce on their own.

Rule 4: Some nouns appear plural but are singular in meaning. They are always used as singular.

- **Words:** News, Innings, Politics, Summons, Physics, Economics, Ethics, Mechanics, Mathematics, Mumps, Rickets, Billiards, Draughts, etc.
  Example
  - ✓ The first innings of the match was very sensational.

Rule 5: Some nouns appear singular but are always used as plural.

- **Words:** cattle clergy, cavalry, infantry, poultry, peasantry, children, gentry, police etc.
  Example
  - ✓ Cattle have died when liquid manure stored in pits under slotted floors was agitated.

Rule 6: Some nouns are used only in singular form. These are uncountable nouns, and articles *a/an* are not used with them.

- **Words:** Scenery, Poetry, Furniture, Advice, Information, Hair, Language, Business, Mischief, Bread, Stationery, Crockery, Luggage, Baggage, Postage, Knowledge, Wastage, Money, Jewellery, Breakage, temper.
  Example
  - ✓ We need to buy new furniture for the office.
  - ✓ The scenery was so beautiful that John was mesmerized and captivated by all that he saw.
  - ✓ Dozens of lower courts have rejected cases pressed by Trump and his allies.

Rule 7: Some nouns have the same form in both singular and plural.

- **Words:** deer, fish, crew, family, team, jury, carp, pike, trout, aircraft, counsel, committee etc.
- **Example**
  - ✓ The committee were split on whether the new regulations for the National Health Protection Scheme should be implemented.

Rule 8: Some nouns are plural in meaning, but when they are used with a definite numeral adjective, they are not pluralized.

- **Words:** Pair, score, gross, stone, hundred, dozen, thousand, million, Billion etc.

Example

- ✓ Amount of less than a million rupees is required right now. Take the money to the bank and withdraw it.
- ✓ His sons-in-law have enhanced his business within a short period.

Rule 9: If a noun is followed by a preposition and then the same noun is repeated, the noun remains singular.

Example:

a. **Town <u>after</u> town** was devastated.
b. **Row <u>upon</u> row** of pick marble looks beautiful.
c. He enquired from **door <u>to</u> door.**
d. **Ship <u>after</u> ship** is arriving.

Note: In such sentences, writing *towns after towns, rows upon rows, doors to doors,* or *ships after ships* is incorrect.

Rule 10: In a sentence, when *a half* or *a quarter* comes after a numeral adjective, the noun is placed after the numeral adjective, followed by *a half* or *a quarter*.

Example:

a. He gave me one rupee and a half.
b. She gave me two rupees and a quarter.

Notes: If the numeral adjective and fraction are joined with *and* and used in the sense of multiplication, then the noun is used in plural form after *a half* or *a quarter*.

Example:

a. Two and a quarter times.
b. One and a half times.

Here, multiplication is implied; therefore, the noun *"times"* is used in plural after *a quarter / a half*.

Rule 11: A hyphenated noun is not used in plural form.

Example:

a. He gave me two **<u>hundred-rupee</u>** notes.
b. He stays in **<u>five- star</u>** hotels. (change *stars* to *star*)

Rule 12: With *a set of / a pair of / a group of / each of / either of / neither of*, the noun is plural, but the helping verb is singular.

Example:

a. **<u>A set of</u>** proceeds was deposited in bank account.
b. **<u>A pair of</u>** shocks has bought by Ramesh.
c. **<u>Each of</u>** Students has solved this Questions.

Rule 13: both of / all of + Noun plural + helping Plural

Example:

a. **<u>All of</u>** students are thrown out in my class.

Rule 14: Numeral + unit (singular) + Noun (singular)/ adjective

Numeral + unit (Plural) + adjective

Example:

a. She saw **<u>a six foot</u>** snake.
b. He is **<u>six feet</u>** tall

Rule 15:

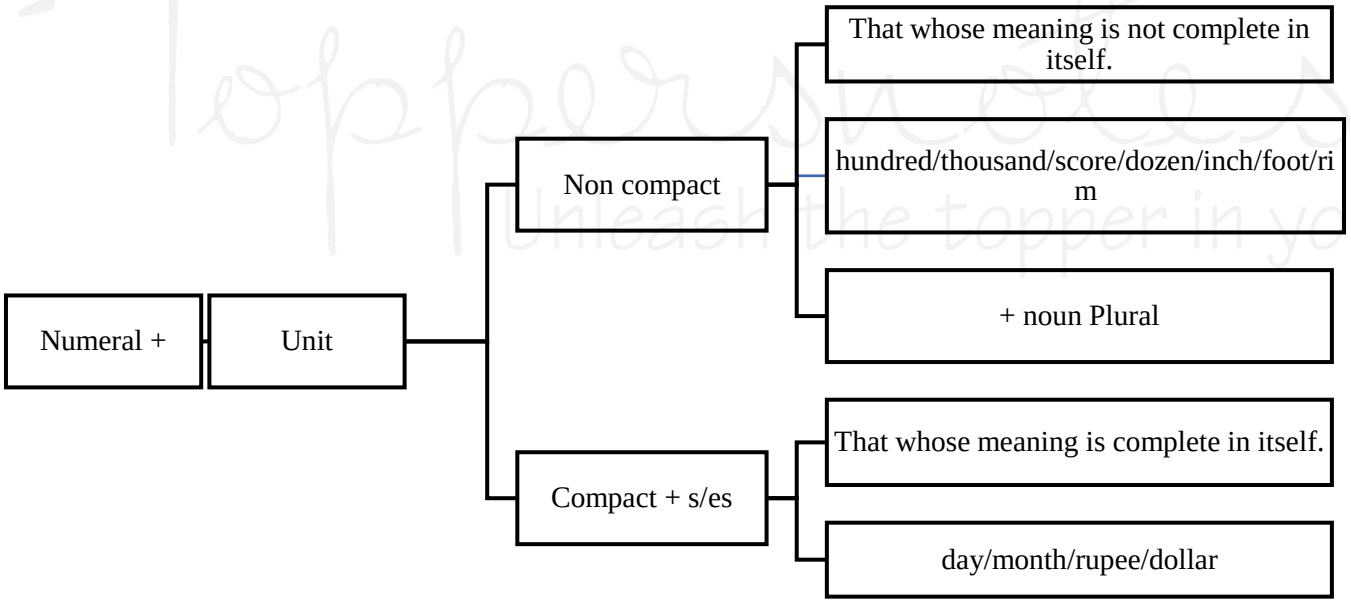

Example:

a. Ramesh spent ten rupees.
b. She sold two dozens.
c. We bought two dozen mangoes from the market.

Rule 16: Unit (Plural) of noun (Plural) + plural helping verb

Example:

a. Hundreds of shops are closed during riot.
b. Balloons filled with helium travel hundreds or even thousands of miles.

Rule 17: more than one unit in sentence. We use unit in ascending order.

Example:

a. Thousands of lakhs of student of student have given test.

Rule 18:

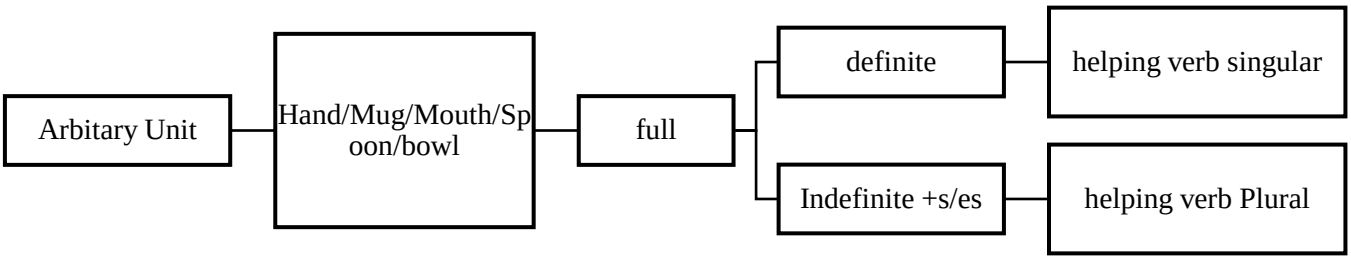

Example:

a. Two Spoonful
b. His sons-in-law have enhanced his business within a short period

Rule 19:

Example:

a. Ten miles needs to covered completely on foot.
b. Five thousands rupees were spent on foot and entertainment.

PRONOUN

Rule 1: In a sentence, the pronoun used before the verb is in the nominative (subjective) case, and the pronoun used after the verb is in the objective case.

Structure:

- Subjective / Nominative + Verb + Objective → I teach him → Active Voice
- Subjective/ Nominative + Verb + Objective → He is taught by me. → Passive Voice

Example:

a. The credit for organizing the successful event was given to both Neha and me.
b. She came home to meet my family and me.

Rule 2: Singular Pronoun: If more than one pronoun is used in a sentence and the sentence does not express anything negative, then the order 231 (2nd person, 3rd person, 1st person) is used.

Example

- ✓ Sia and I spent a few magical minutes observing giraffes and elephants assembling at a watering hole.
- ✓ Mary and I will be going to the movies after we're done with the marathon.

Rule 3: Plural Pronoun: When more than one pronoun is used in a sentence and they are plural, the order 123 (1st person, 2nd person, 3rd person) is used.

Example

- You, she and I will be traveling by my car.

Rule 4: If the sentence expresses a mistake, fault, crime, or a negative idea, then the order of pronouns should be 123.

Example

- I and he will beg sorry for the misconduct.

Rule 5: If different persons' pronouns are used in a sentence and a single plural pronoun is used for them, then:

- III + I Person → I Person Plural
- II + III Person → II Person Plural
- II + I Person → I Person Plural

Example:

a. **You** and **I** have done **<u>our</u>** job.
b. **You he** and **I** have completed **<u>our</u>** duty.
c. You and I have submitted <u>our</u> work on time.

Rule 6: With a collective noun, the pronoun is singular (and neuter gender) when the noun is used as a single unit. If the collective noun is used in a divided sense, a plural pronoun is used.

Example

- Apart from Germany, they also visited Italy and Austria during **their** business trip.

Rule 7: When two or more pronouns are joined by *and*, the pronoun is plural.

Example:

a. **Ram** and **Mohan** went to **<u>their</u>** school.
b. **Suresh** and **his family** members have completed **<u>their</u>** work.

Rule 8: When two singular nouns are joined by *and* and each is preceded by *each* or *every*, the pronoun is singular.

Example:

a. **Each** officer and each clerk has joined **<u>his</u>** duty.
b. Every soldier and every officer was in his place.

Rule 9: With *each, either,* and *neither,* always use a singular pronoun and a singular verb.

Example

- Each of the employees needs to submit his or her reports by Friday.

Rule 10: When two or more singular nouns are joined by *or, either…or, neither…nor*, a singular pronoun is used.

Example

- Neither the tunny nor the coral fishery is carried on by the Sardinians themselves, who are not sailors by nature.
- Either my brother or my parents are going to bring the sleeping bags.
- Neither Suresh nor Ramesh is allowed to enter the class if they have not completed the homework given by me last week.

Rule 11: When one plural and one singular noun are joined by *or* or *nor*, a plural pronoun is used.

Example:

a. **Either** the Principal **or** the teachers failed in **their** duty.
b. **Neither** the teacher **nor** the students have done **their** work.

Rule 12: In comparative sentences, after *than* or *as*, whether the pronoun is in nominative or objective form depends on the meaning of the sentence.

Example:

a. I love you more than he (loves you).
b. I love you more than (I love) him.
c. I shall give you as many pens as (I shall give) him.
d. I am as intelligent as he (is).

Rule 13: The pronoun used after a *"to be"* form verb should be in the same case as the noun or pronoun used before the verb.

Example:

a. It is I.
b. This is She.

Note: When a clause with *who/which* is used, the pronoun after *"to be"* is always in the nominative case.

Example:

a. It is he who is responsible.
b. It is she who refused the offer.
c. It is I who saw her yesterday.
d. It is he who will pay you.

Rule 14: After *let, like, between, but, except,* and other prepositions, the objective case is used.

Example:

a. **Let me** do this work.
b. Let me clear the doubts, if any.
c. **Everybody but** him was present for the meeting.

Use of It:

Rule 1: "It" is used for animals, non-living things, countries, and babies. Its plural is "they".

Example:

a. Here is your pen. Please take it.
b. He has a cat. It is very beautiful.
c. When he saw the child, it was playing.

Rule 2: "It" is used as an introductory subject to express time, weather, temperature, distance, or natural events. In this case, it is called "empty it" because it has no specific meaning.

Example:

a. It is 7 O'clock.
b. It is fine.
c. It is summer.

Rule 3: "It" is also used in place of an infinitive, gerund, or clause.

Example:

a. It rains.
b. It blows.

Rule 4: "It" is used as the subject of a sentence to emphasize a noun or pronoun.

Example:

a. It is you, who can solve this problem.
b. It is the place where he was murdered.

Rule 5: "It" is used to introduce a phrase or clause.

Example:

a. **That the Record will break today** is probable.

Rule 6: "It" is used in exclamatory sentences as follows:

Example:

a. What a beautiful bird it is!
b. What a large building it is!

Rule 7: **The possessive pronoun required here is "its" (without an apostrophe).**

It's = it is

a. She has been a member of this club since its formation.
b. It's impossible to conduct truly causal research on media consumption and suicide.
c. Now it's referring to the same big lug who met his fate thanks to David's slingshot.
d. The energetic kitten is playful after having its breakfast.
e. A computer can't function without its motherboard.

Rule 15: Some transitive verbs require a reflexive pronoun. A transitive verb needs an object, and when no object is present, a reflexive pronoun is used to complete it.

verbs: avail, absent, enjoy, resign, apply, revenge, exert etc.

Example:

a. They enjoyed **themselves** the pleasure of weather.
b. Try to avail **yourself** of every opportunity that comes your way.
c. You should avail yourself of this opportunity to demonstrate your skills.

Rule 16: Some verbs, when used intransitively, do not take a reflexive pronoun.

Verbs: Keep, break, set, bathe, make, stop, steal, qualify, move, open, draw, rest, roll, burst, hide, feed, gather, sleep etc.

Example:

a. She hid in the room.
b. After a long and fun-filled day, the children slept peacefully.

Rule 17: "This" is used for one person or thing that is near, while "these" is used for more than one person or thing that is near.

Example:

a. This is a cat.
b. These are cats.

Rule 18: "That" is used for one person or thing that is far, while "those" is used for more than one person or thing that is far.

Example:

a. That is a book.
b. Those are books.

Note: **To avoid repetition of a singular noun, "that of" is used, and to avoid repetition of a plural noun, "those of" is used.**

Example:

a. The climate of Pune is better than **that** (अर्थ: climate) of Mumbai.
b. The streets of Delhi are wider than **those** (Meaning: streets) of Mumbai.

Rule 19: **To avoid repetition of a singular countable noun, "one" is used, and for plural countable nouns, "ones" is used (not "one's").**

Example:

a. This is the new version, but **that** is an old **one.**
b. These are new books, but **those** are old **ones.**

Indefinite Pronoun		
Word	**Person**	**Thing**
Some	Someone, somebody	Something
Any	Anyone, anybody	Anything
Every	Everyone, everybody	Everything
No	No one, no body	Nothing
Possessive case	His	Its

Distributive Pronoun	
Distributive Pronoun	**Meaning**
Everyone	Used for more than two
Each	Used for two or more
Either	Used for two or more
Neither	Used for two or more
Any, none, no one	Used for two or more

Rule 20: Each/Either/Neither + of + plural Noun + S.H.V ----------

Example:

a. **Each of** the boys has a note book.
b. **Each of** the boys has his own pen.

Note: "The" is used before the plural noun after each of/either of/neither of.

Rule 21: When *each* is used as a subject, it is placed after the subject and before the auxiliary verb. The main verb agrees with the subject.

Example:

a. We **each** have advised him to give up smoking.

Rule 22: "Both" is used for two persons or things. It is not used in negative sentences.

Example:

a. **Both** of the two students are guilty.

Rule 23: The third-person singular masculine pronouns (he, his, him) are used with distributive pronouns.

Example:

a. **Everyone** should obey his parents.
b. **Neither** of these two students has received his prize.

Rule 23: If a noun of the feminine gender is used after a distributive pronoun in a sentence, it is necessary to use the pronoun 'her'.

Example:

a. **Neither** of these two girls has deposited her fees.
b. **Either** of the two girls has received her gift.
c. **Each** of the girls has donated her pocket money.

Rule 24: If a feminine noun is used after distributive pronouns, then the pronoun "her" must be used.

Example:

a. **Neither** of them has done his duty.
b. **Each** of them has forgot his purse.

Rule 25 : When two subjects are joined by *as well as, with, along with, together with, and not, in addition to, but, besides, except, rather than, accompanied by, like, unlike, no less than, nothing but,* the possessive pronoun agrees with the first subject.

Example

- The choreographer as well as his entire dance crew was rewarded cash for their outstanding performance.
- Chari along with other astronauts will form the Artemis Team and help pave the way for the next lunar missions.

Who/ Whom: Used for persons

Rule 26: **These are used for persons and living nouns. *Who* is used in the nominative case, and *whom* is used in the objective case. *Who* is used with *people* and *those*.**

Example:

a. **The children** who sang in the choir were applauded by the audience.
b. This appears to be the handiwork of **someone** who belongs to a criminal gang.
c. My elder **brother**, whom you'll meet later, is a dentist.
d. Who is the **person** that you wanted me to contact there?

Which: Used for non-living things or animals.

Example:

a. He always obeys his parents, **which** shows his loyalty.
b. This is the album **which** I found in the garage.

1. Whose:

Rule 27: *Whose* is used in the possessive case, generally for persons and animals. In some cases, *whose* is also used for non-living nouns.

Example

a. What is the name of the Swami **whose** autobiography impressed you so much?
b. My friend **whose** leg was fractured has recovered.

Use of "That":

Rule 28: When two antecedents are joined by *and*, and one refers to a person and the other to an animal or thing, *that* is used as a relative pronoun.

a. **The man** and his **dog that** I saw yesterday have been kidnapped.

Rule 29: ***That* is used after the superlative degree.**

a. Mr. Mishra is the **most laborious** man **that** I have ever seen.
b. He is the most eloquent speaker that I have ever heard.

Rule 30: When *all* is used for persons, *who/that* is used after it.

a. All who/that are interested to do this work can start now

Rule 31: When *all* is used for things, *that* is used after it.

b. All that glitters is not gold

Rule 32: *That* is used after *all + uncountable noun*.

c. All the money that I gave her has been spent.

Rule 33: *That* is used after *everything, nothing, the only, any, all, everyone, none, no, nobody, much, little, the same, the few, the little*.

a. My father has given me everything that I needed.
b. My wife has spent the little money that I gave her.

Rule 34: When the verb is clearly understood, *that* is used after *the same + noun*.

a. This is the same man that deceived me.
b. There was none that didn't support the cause.
c. This is the book that I wanted to buy.

Rule 35: **No preposition is placed before *that*. If a preposition is required, it is placed at the end of the sentence.**

a. We know the hotel that she lives in.
b. I understand the point that you are hinting at.

Compound relative Pronouns: *Whoever, whosoever, whomsoever, whatever, whichever, whatsoever*, etc., are compound relative pronouns. They are used in a sentence without an antecedent, as the antecedent is included within them.

- **Whatever** - anything which.
- **Whichever** - anything which.
- **Whoever/whosoever** - any person who.
- **Whomsoever** - any person whom.

Example

a. You can eat whatever you like.
b. You can take whichever you like.
c. I shall employ whomsoever you recommend.

ADJECTIVE

Important Adjectives and their uses:

Some/ any

- *Some* is used in affirmative sentences before singular uncountable nouns to indicate quantity in the sense of "some" or "a little," and before plural countable nouns to indicate number in the sense of "some," "a few," or "a little."
- *Any* is used in negative and interrogative sentences before singular uncountable nouns to indicate quantity in the sense of "some" or "a little," and before plural countable nouns to indicate number in the sense of "any," "some," or "a few."

Much/ Many

- *Much* is used before singular uncountable nouns to indicate quantity in the sense of "a lot."
- 'Many' is used before plural countable nouns to denote a large number.

Each/Every– प्रत्येक

- *Each* is used before a singular countable noun to refer to every one of two or more persons or things.
- *Every* is used before a singular countable noun to refer to each of more than two persons or things.

Fewer/Less/Lesser

- *Fewer* is used for countable nouns to indicate a smaller number.
- *Less* is used for uncountable nouns to indicate a smaller quantity. It should not be used with price or number.
- *Lesser* means less important.

As…… as/So ……..... as

- *As……as* is used in comparative sentences to express similarity or likeness.
- *So……as* is used in negative sentences to express dissimilarity or unlikeness.
  - ✓ Our passage across the Arabian Sea was as smooth as the timidest navigator could desire.

Degree of Adjective

- **Positive Degree:**
  - ✓ It is used to qualify one person, place or thing.
  - ✓ No comparison is made in positive degree of adjective.
  - ✓ When the adjective is not comparative, it describes the quality of one person or thing.
- **Comparative Degree**
  - ✓ It is used to compare two persons, places or things.
  - ✓ When the adjective compares only two, it shows a comparison between them.
  - a. Diseases like diabetes and hypertension are repeatedly on the rise and affecting more and more younger individuals.
- **Superlative Degree**
  - ✓ It is used when more than two persons, places or things are compared. It is the highest degree of comparison.
  - ✓ When the adjective compares within a group, it shows comparison among more than two.
    - a. The lack of regular academic sessions has meant that in 2020 the country has had the lowest share of students who have attended educational institutions.

Important rules related to adjective:

Rule 1: "Of" is not used after the following definite numerals: a dozen, a hundred

Example:

a. We have a dozen pens.
b. He has a hundred cows.

Rule 2: If definite numerals are used without "a," they indicate an indefinite number, and "of" must be used.

Ex- a lakh of men, a pair of shoes, a couple of hours.

Example:

a. We have dozens of pens.
b. He has hundreds of cows.

Rule 3: The article *"the"* is used with ordinal numbers.

Example:

a. The **first** lesson is on verb.
b. The first five girls will get the discount on our merchandise.

Rule 4: When comparing an object, that object should be excluded from the comparison.

Example

- He slapped the team into action and they headed for the town at a more leisurely pace.
- The playground was way larger than I had imagined, and in cleaning it, my back began to ache.

Rule 5: With adjectives such as *senior, junior, posterior, superior, inferior, anterior,* the preposition *"to"* is used. *More* or *less* is not used with them. These adjectives are derived from Latin. *Elder, prefer,* and *preferable* also take *"to."*

Example

- He always wants to be in the company of those **who** are intellectually superior to him.

Rule 6: When comparing two things, the comparison should clearly be between the same items. Mistakes are often made in such comparisons.

Example

- Chetan's room is cleaner than Ram's **room** because Chetan cleans it more often than Ram.

Rule 4: When adjectives of size, shape, age, colour, etc., are used together, they follow this order:

$$\underbrace{\text{Size}}_{1} \rightarrow \underbrace{\text{shape}}_{2} \rightarrow \underbrace{\text{age}}_{3} \rightarrow \underbrace{\text{colour}}_{4} \rightarrow \underbrace{\text{emotion}}_{5} \rightarrow \underbrace{\text{nationality}}_{6} \rightarrow \underbrace{\text{material}}_{7} \rightarrow \text{noun}$$

Example

- The beautiful young girl jumped in the river in the state of depression.

ADVERB

Important adverbs and their uses:

Late/Lately

- **Late –** late → used as both an adjective and an adverb.
- **Lately –** recently → used only as an adverb.

Example

a. I haven't seen Akila **lately.**
b. Chandni is often **late** for work.
c. Riya arrived at the train station **late**.

Hard/ Hardly

- **Hard** – with effort
- **Hardly** – barely

Example

a. Sanjana rubbed her eyes **hard**.
b. Sushil, who recently joined our school, was awarded the Gold Cup as he worked **hard** throughout the year.
c. Mohan is respected by everyone because he works **hard**.

Free/Freely

- **Free** – without cost
- **Freely –** with freedom

Example

a. We can Move about freely in India.
b. Rides are provided free in this water park.

Since

- When *since* indicates time, it is used as a preposition, conjunction, and adverb. As an adverb, *since* means "from then."

Example

a. I have been reading since 5 O' clock.
b. They have been playing since 7 O' clock.

Just

- *Just* is used as an adverb of time in the sense of "a moment ago."
- It is generally used with the present perfect tense.

Example

a. He has just gone out.
b. I have just had dinner.

Rule 1: *Just* can also be used in the simple past for "exact time."

Example

a. I just caught the train.
b. They just managed to leave.

Rule 2: *Just* can also express "just now (time struck)."

Example

a. It has just struck five. → It is just five o'clock.
b. It has just struck two. → It is just two o'clock.

Just Now

- *Just now* is used for an action completed in the present; it is used with the present perfect tense.

Example

a. He has gone just now.
b. I have arrived just now.

Rule 1: *Just now* also means "a short time ago" or "a moment ago," and in this case, it is used with the simple past tense.

Example

a. They left home just now.
b. Did you hear a noise just now?

Rule 2: *Just now* can also mean "at this moment."

Example

a. I am busy just now.

Presently

- *Presently* – soon / shortly → used for future action.

Example

a. He is presently busy.
b. He will come back presently.
c. I shall give some money presently.

Early

- *Early* is used as both an adjective and an adverb.
- It means "soon after the beginning."

Example

a. Are you an early riser? (adjective)
b. We started early. (adverb)

- **It also means "before the fixed time."**

Example

a. He arrived early at the meeting.
b. The chief guest came early.

Direct / Directly

- Direct → Straight
- Directly → at Once

Example

a. I went direct to my house.
b. They went to their room directly.

Too

- *Too* expresses excess, fault, or intensity.
- It is used with unpleasant adjectives.
- **Example:** too cold, too dull, too fat, too naughty
- Too + to infinitive → expresses the reason for not being able to do something.

Example

a. The old man is **too** weak **to** walk.
b. This question is **too simple** for me to answer.
c. His absence from my party is **too painful** for me.